टेनिस

– श्री लीडर प्यूस ने जून, 1991 के दौरान यू०एस०ए० में आयोजित जूनियर यू०एस० ओपन टैनिस चैम्पियनशिप जीती।

भारोत्तोलन

अगस्त, 1991 के दौरान कार्डिफ में आयोजित सिलवर डेगन अन्तर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम ने 3 स्वर्ण पदक जीते।

अगस्त, 1991 के दौरान इन्डोनेशिया में आयोजित चतुर्थ महिला तथा पांचवीं पुरुष जूनियर एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 रजत पदक जीते।

कुश्ती

1. अक्तूबर, 1991 के दौरान न्यूजीलैंड में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 स्वर्ण, एक रजत तथा 5 कास्य पदक जीते और 8 देशों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

2. अगस्त, 1991 के दौरान यू० एस०एस०आर० में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 7 रजत तथा 3 कॉस्य पदक जीते।

3. रूस में आयोजित अन्तराष्ट्रीय ग्रीको स्टाइल जूनियर कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 1 रजत तथा 1 कांस्य पदक जीता।

4. भारतीय पहलवानों ने बेल्जियम में आयोजित विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में प्रथम 10 पहलवानों में स्थान प्राप्त कर बार्सिलोना ओलम्पिक्स के लिए अर्हता प्राप्त की।

बाडिंग

बम्बई में आयोजित विश्व इन्टरप्राइज चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने चैम्पियनशिप जीती।

अक्तूबर, 1991 के दौरान हांगकांग में आयोजित छठी एशियाई रिमेटा चैम्पियनशिप में भारत ने 1 स्वर्ण तथा 1 रजत पदक जीता।

जयपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान

1488. **डा० अबरार अहमद :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार कुछ विश्वविद्यालयों/केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का विचार रखती है और यदि हां, तो ऐसे विश्वविद्यालयों के नाम क्या-क्या हैं और केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने के मानदण्ड क्या हैं?

(ख) क्या राजस्थान के जयपुर विश्व विद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का विचार है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) राजस्थान में शिक्षा के प्रसार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) जी, नहीं। जयपुर विश्वविद्यालय राज्य विधान मण्डल के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है, और नीति के एक मामले के तौर पर केन्द्रीय सरकार राज्य विश्वविद्यालयों को केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में नहीं बदलती।

(ग) राज्य में विश्वविद्यालयों की विकास योजनाएं राज्य सरकार के परामर्श पर संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाती हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग भवन, पत्र-पत्रिकाओं, उपस्कर, स्टाफ और शिक्षण और अनुसंधान के स्तर तथा कोटि में सुधार करने के

लिए सूजित अन्य सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए सभी पात्र विश्वविद्यालयों को विकास अनुदान प्रदान करता है। विशेष सहायता की विभिन्न योजनाओं के तहत अनुदान प्रदान किए जाते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार, आयोग ने 8वीं योजना के दौरान राजस्थान में विश्वविद्यालयों के लिए 385.00 लाख रु० की धनराशि का विकास अनुदान आवंटित किया है।

Central Assistance for Literacy Programme

1489. SHRI RAMDAS AGARWAL Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT ba pleased to state :

(a) Whether Government propose to change the funding pattern for total literacy campaign (T.L.C.) between Centre and Rajasthan State from the present 2 : 1 to hundred per cent central assistance because of its lowest literacy rate in the country ;

(b) Whether Government are aware that in some districts like BARMER and JALORE, the female literacy percantage is less than 5 per cent as per 1991 census; and

(c) If so, the amount of central assistance likely to be provided to the State during 1992-93 and during Eighth Five Year Plan period for streamlining educational activities particularly girls' education in that State ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) : (a) No Sir.

(b) The estimated female literacy in Barmer and jalore, according to 1991 census, is 7% and 6. 8 % respectively.

(c) Since the proposal for 1992-93 in respect of Rajasthan would be made only during the next financial year, it is not possible to indicate at this stage the likely assistance for 1992-93.

देश में साक्षरता

1490. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1991 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 48 प्रतिशत लोग निरक्षर हैं ;

(ख) यदि हां तो क्या सरकार ने देश में पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय की है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या सरकार ने इसके लिए कोई वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है तथा इस प्रयोजनार्थ क्या कार्यक्रम और योजनाएं बनाई गई हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) वर्ष 1991 की जनगणना के अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार देश में 7 वर्ष और इससे अधिक आयु वाली जनसंख्या की साक्षरता दर 47. 89 थी ।

(ख) से (घ) स्कूल छोड़ जाने वालों के लिए अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम सहित प्रारम्भिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन, जिसका लक्ष्य वर्ष 1995 तक 15–35 आयु वर्ग के 8 करोड़ प्रौढ़ निरक्षरों को कार्यात्मक साक्षरता प्रदान करना है, देश में निरक्षरता उन्मूलन के व्यापक कार्यक्रम का अभिन्न अंग है । राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की मुख्य कार्य नीति पूर्ण साक्षरता अभियानों को आयोजित करना है जो क्षेत्र विशिष्ट समय-बद्ध और स्वैच्छिक सेवा पर आधारित होंगे । यद्यपि पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिए कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया, फिर भी आशा है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक पूर्ण साक्षरता अभियानों द्वारा लगभग 75–80 प्रतिशत जिलों को शामिल कर लिया जाएगा और देश में साक्षरता दर बढ़कर 70 प्रतिशत के आसपास हो जाएगी ।